

रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25

रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल किसी भी महाविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण इकाई है, जिसका उद्देश्य अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों को यह सेल महाविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में क्षमताओं को विकसित करने में सहयोग कर सकता है और छात्राओं को अनुसंधान के अवसर प्रदान कर सकता है। यह सेल छात्राओं को अनुसंधान कौशल में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाएं प्रदान करता है।

11 नवंबर 2024 को रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के द्वारा रिसर्च मेथाडोलॉजी विषय पर 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के शुभ अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की मुख्य वक्ता कुमारी सुमन रही जो कि हिंदू कन्या महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सहायक प्राध्यापिका के पद पर कार्य कर रही हैं और वह हिंदू कन्या महाविद्यालय, जींद की पूर्व छात्रा भी रही हैं। कुमारी सुमन ने अपने वक्तव्य में अनुसंधान की प्रक्रिया को समझाते हुए शोध पत्र के विषय के चुनाव, शोध निबंध लेखन, शोध कार्य की रूपरेखा व शोध का अध्ययन क्षेत्र में महत्व के बारे में अत्यंत प्रभावशाली ढंग से विस्तार पूर्वक अपने विचारों को सांझा किया। उन्होंने बताया कि रिसर्च रिपोर्ट का मकसद क्या है। अगर रिपोर्ट अच्छी नहीं होगी तो हम अपनी रिसर्च को सही दिशा में नहीं ले जा पाएंगे। इसके अलावा मैडम सुमन ने रिसर्च डिजाइन के प्रकारों के ऊपर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अच्छा शोध किस तरह से किया जाए, अच्छी शोध पद्धति के क्या गुण हैं तथा शोध करते हुए आने वाली समस्याओं के बारे में छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने प्राथमिक एवं गौण स्रोतों के विषय में भी विस्तार से चर्चा की। इस कार्यशाला में महाविद्यालय की लगभग 52 छात्राओं ने भाग लिया।



रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल ने 16 अप्रैल, 2025 को अनुसंधान नैतिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की संयोजिका एवं रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल इंचार्ज डॉ. रश्मि मलिक ने कहा कि अनुसंधान में नैतिकता का पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है और शोधकर्ताओं को हमेशा अनुसंधान में नैतिकता के मानकों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल शोध की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि यह समाज के लिए भी फायदेमंद होगा। कक्ष संख्या 207 में प्रातः 11:00 बजे आयोजित इस कार्यशाला में 53 उत्साही छात्राओं ने भाग लिया, जिन्हें मुख्य वक्ता डॉ. सीमा दलाल के विशेषज्ञ मार्गदर्शन से लाभ हुआ। डॉ. सीमा दलाल की प्रस्तुति में सूचित सहमति, गोपनीयता और निष्पक्षता जैसे आवश्यक विषयों को शामिल किया गया, जो अनुसंधान की सत्यता और वैधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला की संवादात्मक प्रकृति ने छात्राओं को विचारशील प्रश्न पूछने और अपने दृष्टिकोण साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे एक समृद्ध शिक्षण वातावरण का निर्माण हुआ। अनुसंधान में नैतिक विचारों के महत्व पर प्रकाश डालकर, कार्यशाला ने छात्राओं को जिम्मेदार अनुसंधान करने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि और कौशल प्रदान किए। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम के आयोजन ने निस्संदेह प्रतिभागियों के शैक्षणिक विकास में योगदान दिया। कार्यशाला का आयोजन सफल रहा और इसमें भाग लेने वाली छात्राओं को अनुसंधान में नैतिकता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।



रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल ने सत्र 2024-25 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिनका उद्देश्य छात्राओं को अनुसंधान के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल प्रदान करना था। इन गतिविधियों से छात्राओं को अनुसंधान कौशल में सुधार, अनुसंधान में नैतिकता की समझ और आत्मविश्वास में वृद्धि जैसे लाभ मिले। रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की गतिविधियां भविष्य में भी छात्राओं को अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करेंगी।

डॉ. रश्मि मलिक

इंचार्ज, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल

हिंदू कन्या महाविद्यालय, जींद।